

ग्रसाषारण

EXTRAORDINARY

भाग II--लण्ड 3--उपखण्ड (i)

PART II-Section 3-Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

₩° 119] No. 119] नई विल्ली, शुक्रवार, जुन 26, 1970/झाबाद 5, 1892

NEW DELHI, THURSDAY, JUNE 26, 1970/ASADHA 5, 1892

इस भाग में भिन्न पुष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह धलग संकलन के रूप में रक्षा जा सके। Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation.

MINISTRY OF FOOD. AGRICULTURE, COMMUNITY DEVELOPMENT AND CO-OPERATION

(Department of Food)

ORDER

New Delhi, the 26th June 1970

- G.S.R. 970/Ess.Con/Gur.—In exercise of the powers conferred by section 3 of the Essential Commodities Act, 1955 (10 of 1955), the Central Government hereby makes the following Order further to amend the Gur (Regulation of Use) Order, 1968, namely:—
- 1. (1) This Order may be called the Gur (Regulation of Use) Second Amendment) Order, 1970.
 - (2) It shall come into force at once.
- 2. For clause 2 of the Gur (Regulation of Use) Order, 1968, the following clause shall be substituted, namely:—
- "2. Definition.—In this Order, "gur" means the article known as gur, gul. jaggery, shakkar, rab and other intermediary products, prepared by boiling sugarcane juice with or without admixture of molasses, which is identifiable by the following characteristics, namely:—
 - (i) total sugars (sucrose plus reducing sugars) as percentage of dissolved solids ranging from 70.0 to 95.0; and
 - (ii) ash (sulphated) as percentage of dissolved solids ranging from 1.5 to 5.0; and

includes a solution of any of the aforesaid articles in water.".

[No. 9-2/68-S.Py.] R. S. TALWAR, Jt. Secv

लाध, कृषि, सामुदायिक विकास ग्रौर सहकारिता मंत्रालय

(लाद्य विभाग)

द्यादेश

नई विल्ली, 26 जून, 1970

सा० का० नि० 970/झावदयक बस्तु/गुड़ :— झावश्यक वस्तु अधिनियम, 1955 (1955 का 10) की घारा 3 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार गुड़ (उपयोग का विनियम) आदेश, 1968 में और आगे संशोधन करने के लिए एतद्द्वारा निम्नलिखित झादेश बनाती है, अर्थान् :—

- (1) यह श्रादेश गुड़ (उपयोग का विनियम) (द्वितीय संशोधन) श्रादेश, 1970 कहा जा सकेगा ।
 - (2) यह तुरन्त प्रभावी होगा।
- 2. गुड़ (उपयोग का विनियम) ब्रादेश, 1968 के खण्ड 2 के स्थान पर निम्नलिखित खण्ड प्रतिस्थापित किया जाएगा, ब्रर्थात् :---
- "2. परिभाषा—इस श्रादेश में "गुड़" से गुड़, गुल, जैगरी, शक्कर, राब नामक वस्तु श्रीर श्रन्य मध्यवर्ती उत्पाद, जो गन्ने के रस के शीरे के मिश्रण से मिलकर या बिना मिलाए उबाल कर तैयार किया जाता है, श्रभिष्रेत है जो निम्नलिखित रसःयनिक लक्षण के द्वारा पहचाना जा सकर्ता है, श्रर्थात्:—
 - (i) कुल शर्करा (सुक्रोज तथा उपचायक शर्करा) घुले हुए ठोस पदार्थों की 70.0 से लेकर 95.0 तक प्रतिशतना के रूप में; श्रौर
 - (ii) भस्म (सल्केटेड) चुले हुए ठोस पदार्थी 1.5 से लेकर 5.0 तक प्रतिगतना के रूप में, धौर इसमें उपरोका वस्तुधों में से किसी का जल में विलयन ृसिम्मिलित है ।

[सं० 9-2/68-एस० पी० वाई०] ग्रार० एस० तलवाइ, संयुक्त सचिव।